A-0432

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DMA-104

ग्रहोपचार के विविध आयाम

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. त्रिविध कर्मफल का विचार कर, विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

Q.2. कर्मरोग और ज्योतिष, की अवधारणा का प्रतिपादन कीजिए।

Q.3. दार्शनिक दृष्टि से कर्मफल का निर्धारण कीजिए।

Q.4. दशा से क्या तात्पर्य है उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

Q.5. दशा के अनुसार रोगों का निर्णय कैसे किया जाता है उल्लेख कीजिए।

अथवा

अष्टक वर्ग के रोगों का विचार कैसे किया जाता है विस्तारपूर्वक लिखिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. मारक से क्या तात्पर्य है? मारक दशाफल का वर्णन कीजिए।

Q.2. शुक्र–शनि महादशा का फल लिखिए।

Q.3. प्रश्न कुंडली से आप क्या समझते है वर्णन कीजिए।

Q.4. रत्न चिकित्सा के महत्व को समझायें।

P.T.O.

Q.5. मन्त्र चिकित्सा के महत्व को प्रदर्शित कीजिए।

Q.6. रक्त जन्य व्याधियों से क्या तात्पर्य है।

Q.7. राहू–शनि की शान्ति के लिए दान विधान क्या है उल्लेख कीजिए।

Q.8. ग्रह–पीड़ा में नव–ग्रह शान्ति का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए।

****